News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-185
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

हम केवल दुनिया में केवल तभी सम्मान पा सकते हैं अगर हम आंतरिक रूप से मजबूत हैं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

बिहार, गुरुवार, 10 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मां गौरी

बिहार में दबंगई की घिनौनी घटना

पहले चेहरे पर थूका फिर बेटे को कहा-कर दो बदन पर पेशाब, क्या बोली पुलिस

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर के बोचहां थाना क्षेत्र से एक अमानवीय मामला सामने आया है, जहां मजदूरी के पैसा मांगने पर मुर्गी फार्म संचालक ने पहले मजदूर को बेरहमी से पीटा और फिर उससे थूक चाटने और बेटे के द्वारा बदन पर पेशाब करने को कहा. हालांकि, मजदूर किसी तरह भाग गया और फिर मामले को लेकर बोचहां थाना में आवेदन दिया. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है. वहीं पिटाई का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमे मुर्गी फार्म संचालक पिता-पुत्र मजदूर की पिटाई करते दिख रहे हैं.

दरअसल, बोचहां थाना क्षेत्र के चौपार मदन गांव निवासी रिंकू मांझी ने थाना में दिये आवेदन में बताया कि वो करणपुर उतरी गांव में रमेश पटेल में मुर्गी फार्म में 2 दिन काम किया, उसके बाद काम करने कही और चला गया. मुर्गी संचालक ने 2 दिन की मजदूरी नहीं दी. दिनांक 4 अक्टूबर को सुबह 8ः00 बजे जब मैं काम करने जा रहा था तभी रास्ते में रमेश पटेल अपने मुर्गी फार्म के गेट पर बैठे हुए थे. हमने उनसे दो दिन की मजदूरी का पैसा मांगा जिस पर वह गुस्सा हो गए और जाति सूचक गाली देने लगे.

आरोप के अनुसार, मारपीट से मना करने पर आरोपी ने अपने पुत्र के साथ मुझे मारपीट कर घायल कर दिया. इसके बाद जान मारने जान मारने की धमकी देते हुए चेहरे पर थूक फेंक दिया और अपने पुत्र से मेरे मुंह पर पेशाब करने को कहा. बता दें कि पिटाई की इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जहां दो लोग युवक को सड़क पर गिरा कर पीट रहे हैं. मारपीट का ये वीडियो 4 अक्टूबर का बताया जा रहा है.

बोचहा थाना प्रभारी राकेश कुमार यादव ने कहा कि मजदूरी के पैसा को लेकर युवक की पिटाई का मामला सामने आया है. इसमें गाली-गलौच और मारपीट का वीडियो पुलिस को मिला है. गांव के रमेश पटेल, उसके भाई अरुण पटेल और बेटा गौरव कुमार पर नामजद स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है. मामले की छानबीन करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है. पूरे मामले पर मुजफ्फरपुर ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने कहा कि स्नढ्ढक्र से बात सामने आया है कि रिंकू मांझी को जाति सूचक गली दी गई है और हम लोग आगे की करवाई कर रहे हैं.

बचों को राम और हनुमान को मुसलमान बताया जा रहा

बेगूसराय के सरकारी स्कूल में शिक्षक बचों को दे रहा विवादित ज्ञान

बिहार के एक स्कूल से विवादित मामला सामने आया है। स्कूल का टीचर धर्म पर गलत तथ्यों के साथ बचों को जानकारियां दे रहा था। मामला सामने आने के बाद भारी बवाल हो गया। दरअसल, बेगूसराय के एक सरकारी स्कूल में एक मुस्लिम टीचर द्वारा स्कूली बचों को राम और हनुमान को मुसलमान बताया जा रहा था। ये बताया जा रहा था कि दोनों नमाज पढ़ते थे, हिंदुओं के पूर्वज मुसलमान थे। जब बचों ने इस बात को अभिभावकों को बताया तो मामला सामने आया।

लोगों ने टीचर को घंटों बंधक बनाकर रखा

बचों से इस बात की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने स्कूल के आरोपी शिक्षक जियाउद्दीन को घंटों बंधक बनाकर रखा और उसे हटाए जाने की मांग की। मामला बेगूसराय के बछवाड़ा के हरपुर कादरावाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय का है। आक्रोशित लोगों ने आरोपी शिक्षक को वहां से हटाने की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद आरोपी शिक्षक जियाउद्दीन ने अभिभावकों के सामने गलती मान ली और माफी मांगते हुए आगे से इस तरह की कोई बात नहीं करने का आश्वासन दिया।

गिरिराज सिंह ने सीएम से की कार्रवाई की मांग

टीचर के माफी मांगने के बाद मामला शांत हो गया। फिलहाल दुर्गापूजा को लेकर स्कूलों में छुट्टी हो गई है। वहीं, इस मामले पर बेगूसराय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि देश में कट्टरपंथी मानसिकता के लोग विद्वेष फैलाना चाहते हैं। गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश से कहा कि ऐसे शिक्षकों पर शीघ्र संज्ञान लेकर कार्रवाई की जाए।

पटना में RJD दफ्तर के पास लगा पोस्टर

तेजस्वी को बताया टोंटी चोर तो लालू को चारा चोर

पटना। राजधानी पटना में फिर एक बार पोस्टर वॉर छिड़ गया है। इस बार ये पोस्टर राजद दफ्तर के पास लगाया गया है। हालांकि पोस्टर किसने लगाया इसकी कोई जानकारी नहीं मिल रही। लेकिन बीजेपी इस पोस्टर में लिखे बातों के सपोर्ट करती नजर आ रही है। पोस्टर में लालू यादव व तेजस्वी यादव की कार्टून फोटो बनाई गई है। इसमें तेजस्वी का नाम भी फैलस्वी यादव बताया गया है।

लगाए गए 2 पोस्टर

राजधानी पटना के इनकम टैक्स चौराहे पर दो-अलग-अलग पोस्टर लगे हैं। एक पोस्टर में फैसल्वी यादव लिखा गया तो दूसरे में तेजस्वी को टोंटी चोर और लालू यादव को चारा चोर बताया गया है। ये पोस्टर राजद के हरे रंग के थीम पर बेस्ड बनाया गया है। पोस्टर लगवाने वाले ने अपना नाम या पार्टी का नाम नहीं लिखवाया है। पोस्टर किसके द्वारा लगाया गया इसका कोई जिक्र नहीं मिला है, पर इस बारे में बीजेपी प्रवक्ता दानिश इक़बाल ने कहा कि पोस्टर में जो दिखाया गया है वो बिल्कुल सही है।

क्या है मामला?

जानकारी दे दें कि महागठबंधन की सरकार गिरने के बाद भी तेजस्वी ने सरकारी बंगला खाली नहीं किया था। इसके बाद भवन निर्माण विभाग ने उन्हें नोटिस जारी किया। इसके बाद तेजस्वी यादव ने बीते शनिवार को बंगला खाली किया। जिसके बाद बीजेपी ने आरोप लगाया है कि तेजस्वी यादव ने बंगला खाली करने के दौरान ही सरकारी सामान भी गायब हो गए। इस पर तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर हमला बोला था कि ये लोग मेरी इमेज खराब करना चाह रहे हैं। ये बहुत ही हास्यास्पद बात है, हंसी आती है। बीजेपी को आरजेडी और तेजस्वी यादव से डर है।

2022 में RJD ने लगाए थे पोस्टर

इससे पहले अप्रैल 2022 में जब बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े थे तो ऋछ्वष्ठ ने पोस्टर के जरिए केन्द्र सरकार के साथ ही राय सरकार पर भी निशाना साधा था। उस पोस्टर में तब पीएम और सीएम नीतीश को एक साथ खड़ा दिखाया गया था और लिखा गया था कि डीजल 101 पर नॉट आउट, पेट्रोल 116 पर नॉट आउट।

अष्टमी की रात तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है यह शक्तिपीठ, संतान प्राप्ति के लिए आती हैं महिलाएं

बेगूसराय। बाहर से इस मंदिर का रूप बदला जा रहा है। शहरों की तरह पंडाल वाली सजावट दिख रही है। बनारस की तर्ज पर महाआरती कराई जा रही। लेकिन, इसके इस नए रूप की जगह भक्तों के मन में सदियों पुराना इसकी छवि विद्यमान है। 600 साल से तंत्र साधना के लिए बेगूसराय जिले के बखरी बाजार स्थित पुरानी दुर्गा स्थान में बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, नेपाल और बांग्लादेश से भी साधक आते रहे हैं। यह साधना नए रूप में भले न हो सके, लेकिन माना जाता है कि आज भी अपनी तांत्रिक शक्तियों को सिद्ध करने के लिए साधक महाअष्टमी की रात यहां महिषासुर का वध करतीं तमतमाए लाल चेहरे वाली माता भगवती देवी का दर्शन जरूर करते हैं। संतान प्राप्ति और गंभीर बीमारियों से राहत के लिए भी देवी का अष्टी (स्थान) पर महिला-पुरुष मन्नत मांगने आते हैं। इसके साथ ही यह बलि के लिए भी प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि परमार वंश ने इस मंदिर की स्थापना की थी। तंत्र साधना और मन्नत प्राप्ति के लिए भगवती देवी का दर्शन करने के लिए यहां कई बार भक्तों की संख्या लाख भी पार कर जाती है। इस दुर्गा स्थान पर महाअष्टमी की रात देवी के महागौरी रूप की पूजा के बाद तंत्र साधकों के द्वारा तंत्र मंत्र की सिद्धि प्राप्त होती है। यह दुर्गा मंदिर तंत्र-मंत्र की सिद्धि और मनोकामना पूर्ति के लिए आसपास के राज्यों ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों में भी मशहूर है। यहां हर वर्ष दूर-दूर से साधक आते हैं, जिन्हें तंत्र-मंत्र की सिद्धि मिलती है। महाअष्टमी के दिन माता को छप्पन प्रकार का भोग लगाया जाता है। बखरी निवासी पंडित शशिकांत मिश्र कहते हैं- यहां मां भगवती लोगों की मनोकामना यथाशीघ्र पूरा करती हैं। खास तौर पर संतान प्राप्ति और रोग से मुक्ति के लिए श्रद्धालु आते हैं। पुरानी दुर्गा मंदिर शक्तिपीठ की महिमा निराली है। बनारसी अस्सी घाट से आए तरुण तिवारी ने बताया कि यहां पर पांच पंडितों की टीम दुर्गा महाआरती को संपन्न कराने पहुंची है। स्थानीय लोग सीधे कहते हैं कि आज के वैज्ञानिक युग में लोग मानें या नहीं, लेकिन यहां तंत्र-मंत्र की साधना हो रही है। महाअष्टमी के दिन साधक यहां तंत्र सिद्धि के लिए पहुंचते हैं।

लालू यादव के करीबी नेता के खिलाफ ED का बड़ा एक्शन

मनी लांड्रिंग मामले में 25 करोड़ की संपत्ति जब्त

पटना। लालू प्रसाद यादव के करीबी और पूर्व विधायक अरुण यादव के खिलाफ ईडी (श्वष्ठ) ने बड़ा एक्शन लिया है. दरअसलडी ईडी की टीम ने मनी लांड्रिंग के मामले में अरुण यादव की लगभग 25 करोड़ की संपत्ति जब्त की है. वहीं इससे पहले ईडी ने इस मामले में फरवरी में अरुण यादव के यहां छापेमारी भी की थी. डाली थी. बता दें, फरवरी में ईडी का सर्च ऑपरेशन हुआ था. बता दें, इसी साल 27 फरवरी को राजद विधायक किरण देवी और उनके पति सह पूर्व विधायक अरूण यादव के ठिकानों पर ईडी की टीम रेड करने पहुंची थी. इस दौरान पूर्व विधायक अरुण यादव से संबंधित पटना के आवास और दानापुर के मां मरछिया देवी अपार्टमेंट में ईडी की टीम ने रेड मारी थी. आय से अधिक मामले में मां मरछिया देवी अपार्टमेंट में ईडी की टीम ताला तोड़कर अंदर घुसी थी. ईडी की टीम मां मरछिया देवी कॉम्प्लेक्स के फ्लैट नंबर 403 में छापेमारी की थी. पड़ोसियों के मुताबिक इस फ्लैट में ईडी कई बार छापेमारी कर चुकी है. बता दें, फरवरी में ईडी की रेड बिहार के दो जिलों पटना और भोजपुर के अलग-अलग इलाकों में हुई थी. इस दौरान ईडी की टीम ने संदेश की राजद विधायक किरण देवी के ठिकानों को खंगाला था. इस दौरान भोजपुर जिला के अगियांव और पटना से ईडी की टीम अपने दलबल के साथ किरण देवी के ठिकानों से निकली थी. श्वष्ठ की टीम ने तकरीबन 16 घंटे तक छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया था.

गांव में पहुंची मेडिकल टीम

गया में डायरिया से 3 मौत 50 से अधिक अभी भी बीमार

बिहार के गया में दो दिनों में तीन लोगों की डायरिया से मौत हो गई है. इनमें दो बचे और एक महिला शामिल है. मामला बोधगया प्रखंड की मोरा मर्दाना पंचायत के मंझौली गांव का है. इस घटना के बाद बीते बुधवार (09 अक्टूबर) को मेडिकल टीम गांव पहुंची. डायरिया के प्रकोप की खबर सामने आने के बाद पूरे गांव में दहशत है.

बताया जाता है कि अभी भी 50 से अधिक ग्रामीण डायरिया की चपेट में हैं.

गांव में कैंप कर रही डॉक्टर और मेडिकल टीम

उल्टी और दस्त की शिकायत पर ग्रामीण बोधगया, करमौनी और गया के निजी अस्पतालों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं. डायरिया की जानकारी मिलने के बाद बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टरों और मेडिकल की टीम गांव में भेजी गई है. टीम गांव में कैंप कर रही है. जो लोग गांव में बीमार हैं उनका इलाज किया जा रहा है. बताया जा रहा है कि गांव में एक भोज में खाना खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी. पहले कुछ बचे बीमार हुए और इसके बाद बड़े लोगों को भी उल्टी एवं दस्त की शिकायत होने लगी. ग्रामीण अंबिका यादव ने बताया कि डायरिया से एक 10 वर्षीय बचे मिथुन कुमार, कंचन देवी की 7 वर्षीय पुत्री गौरी और नरेश यादव की पत्नी की मौत डायरिया हुई है.

सिविल सर्जन को डायरिया की जानकारी नहीं

बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि डायरिया के प्रकोप की सूचना के बाद गांव में दो एंबुलेंस और डॉक्टर के साथ मेडिकल टीम को भेजा गया. गांव में पहुंचे डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्रामीणों को ओआरएस आदि दिया जा रहा है. उधर गया के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. जानकारी ली जा रही है. डायरिया के प्रकोप से ग्रामीण गांव छोड़कर किसी दूसरे जगह अपने रिश्तेदार के यहां जाकर रह रहे हैं. गांव के कई घरों के दरवाजे पर ताला लटका है. सन्नाटा पसरा है.